क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 35, बुधवार, 27 फरवरी, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पुलवामा का लिया बदला

बालाकोट में भारतीय वायुसेना के मिराज विमान बमबारी करते हुए।

भारतीय सेना ने कराई पाक की तौबा-तौबा

3.30 बजे थर्राया पीओके

नई दिल्ली।

वायु सेना ने पुलवामा आतंकवादी हमले के एक पखवाड़े के भीतर ही आज तड़के बड़ी जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में घुसकर जबरदस्त बमबारी की

■ कार्रवाई में मसूद अजहर का साला भी मारा गया

जिसमें आतंकवादी संगठन जैश ए मोहम्मद का सबसे बड़ा शिविर नेस्तनाबूद हो गया और 300 आतंकवादी मारे गये। वायु सेना के लड़ाकू विमानों के बेड़े के प्रमुख विमान मिराज-2000 ने इस मिशन को अंजाम दिया। तड़के साढ़े तीन बजे 12 मिराज विमानों ने अलग-अलग वायु सेना स्टेशनों से उड़ान भरी और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के

21 मिनट में की कार्रवाई

नई दिल्ली में जैश पर बड़ी कार्रवाई करने के बारे में पत्रकारों को जानकारी देते हुए विदेश सचिव विजय गोखले।

बालाकोट में करीब 21 मिनट तक कई जगहों पर 1000 किलोग्राम के बमों से भारी बमबारी की जिसमें कई आतंकवादी शिविर तबाह हो गये और 350 आतंकवादी ढेर हो गये।

12 मिराज ने दिया अंजाम

पाकिस्तानी वायु सेना को जब तक इसकी खबर लगती भारतीय विमान मिशन पूरा कर लौट आये। इस कार्रवाई में मसूद अजहर का साला भी मारा गया।

यह पहला मौका है जब वायु सेना ने सीमा

■ जैश फिर हमलों की तैयारी में था, कार्रवाई जरूरी थी : भारत

पार कर पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में सर्जिकल स्ट्राइक की। लगभग ढाई वर्ष पहले सेना ने उरी हमले के बाद आतंकवादी ढांचों को ध्वस्त करने के लिए पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में कार्रवाई की थी। लेजर निर्देशित बम गिराने में माहिर मिराज विमानों ने 1999 की कारगिल लड़ाई के दौरान भी सटीक बमबारी कर पाकिस्तान में तबाही मचाई थी।

1000 किलो बम गिराए

300 आतंकवादी मार गिराए

देश सुरक्षित हाथों में : मोदी

चुरु।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज के दिन को भारत के पराक्रमी वीरों को नमन करने का दिन बताते हुए विश्वास दिलाया कि देश सुरक्षित हाथों में है।

मोदी ने आज यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विजय संकल्प जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि वह जनता की भावना, उत्साह और जोश को भलीभांति समझ रहे हैं। आज ऐसा पल है, हम सब को भारत के पराक्रम वीरों को नमन करे। उन्होंने कहा 'आज चूरु की धरती से मैं देशवासियों को विश्वास दिलाता हूं कि देश सुरक्षित हाथों में हैं।' उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में विजय शंखनाद युवा संगम के दौरान मैंने दिल की बात सामने रखी थी और अब मेरी आत्मा कहती हैं कि आज का दिवस उसे फिर से दोहराने का दिवस हैं। मैं देशवासियों को 2014 के सपनों को वीरों को नमन करते हुए दोहरा रहा हूं-- सौंगध मुझे इस मिट्टी की मैं देश नहीं मिटने दूंगा, मैं देश नहीं रुकने दूंगा, मैं देश नहीं झुकने दूंगा, मेरा वचन है भारत मां का सिर झुकने नहीं दूंगा। जाग रहा हैं देश मेरा, हर भारतवासी जीतेगा, सौंगध मिट्टी की देश नहीं मिटने दूंगा।

पुलवामा का जवाब

14 फरवरी को पुलवामा में जिस तरह आतंकियों ने आत्मघाती हमला कर भारतीय सुरक्षा बलों के 40 से अधिक जवानों को शहीद किया था, उस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट शब्दों में कह दिया था कि आतंकवादियों और उसको संरक्षण व समर्थन देने वालों ने एक बड़ी गलती कर दी है और इसके लिए उन्हें बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। प्रधानमंत्री ने तब यह भी कहा था कि सेना को कार्रवाई करने की छूट दे दी है। लेकिन यह कार्रवाई कब, कैसे और कहां हो यह बात सेना पर छोड़ दी गई है।

12 दिन बाद भारतीय सेना ने एक सोची-समझी योजना के तहत पाकिस्तान में घुसकर जैश-ए-मोहम्मद के सबसे बड़े प्रशिक्षण शिविर पर हवाई हमला करके तबाह कर दिया। इस हमले में करीब 1000 किलो आरडीएक्स के बम फैंके गए। इस हमले में जैश-ए-मोहम्मद के 25 कमांडर और 42 आत्मघाती हमलावरों सहित कोई 250 से 300 आतंकवादियों के मारे जाने का समाचार है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल की सुरक्षा समिति की बैठक के बाद भारत के विदेश सचिव विजय गोखले ने एक लिखित बयान में कहा कि पुख्ता जानकारी मिली थी कि जैश-ए-मोहम्मद देश के विभिन्न हिस्सों में आत्मघाती आतंकवादी हमलों का प्रयास कर रहा था और इसके लिए फिदाईन जेहादियों को प्रशिक्षित कर रहा था। आसन्न खतरे को देखते हुये आत्मरक्षार्थ हमला जरूरी हो गया था। उन्होंने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर तड़के भारत ने जैश-ए-मोहम्मद के बालाकोट स्थित सबसे बड़े प्रशिक्षण शिविर पर हमला किया। इस कार्रवाई में बड़ी संख्या में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी, प्रशिक्षक, वरिष्ठ कमांडर और फिदाईन हमले का प्रशिक्षण ले रहे जेहादियों का सफाया हो गया। बालाकोट के इस आतंकवादी शिविर का मुखिया जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर का निकट संबंधी मौलाना यूसुफ अजहर उर्फ उस्ताद गौरी था। गोखले ने स्पष्ट किया कि यदि पाकिस्तान उसके वहां मौजूद आतंकवादियों और उनके ठिकानों पर कार्रवाई नहीं करता है तो भारत कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, भारत सरकार आतंकवाद के खतरे से लड़ने के लिए सभी जरूरी उपाय करने को दृढ़ प्रतिबद्ध है। पाकिस्तान सरकार ने 2004 में वचन दिया था कि वह उसकी धरती का इस्तेमाल भारत के खिलाफ आतंकवाद के लिए नहीं होने देगी।

वायुसेना के पायलटों को सलाम : राहुल

नई दिल्ली : कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों पर कार्रवाई करने के लिए भारतीय वायुसेना के पायलटों को सलाम किया है। पूर्व रक्षा मंत्री ए.के. एंटनी ने कहा कि इससे पाकिस्तान को सख्त संदेश जाएगा।

कार्रवाई देश के संकल्प को दर्शाती है : शाह

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि वायु सेना की आज की कार्रवाई नये भारत की इच्छाशक्ति और संकल्प को दर्शाती है। शाह ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आंतकवादी संगठन जैश ए मोहम्मद पर की गयी कार्रवाई के बाद ट्वीट कर कहा ' यह नया भारत किसी भी सूरत में आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा और न ही आतंकवादियों और उनके संरक्षकों को माफ करेगा।'

वायुसेना ने देश का मान बढ़ाया : केजरीवाल

नई दिल्ली : आम आदमी पार्टी के नेता एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट किया, कि सेना ने आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाकर देश को गौरवान्वित किया है।'

जय हिंद जय भारत : ममता

नई दिल्ली : पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी ट्वीट कर वायुसेना को बधाई दी और कहा 'आईएएफ का मतलब भारत के अद्भुत लडाके भी है। जय हिन्द जय भारत।'

सम्पादकीय

राहत का फैसला

घर खरीदने वालों को जीएसटी परिषद ने जो कर राहत दी है, वह एक महत्त्वपूर्ण कदम है। इसका पहला फायदा तो यही होगा कि लंबे समय से ठप पड़े रियल एस्टेट बाजार में फिर से जान आएगी और लोगों को वाजिब दामों पर मकान मिल सकेंगे। नवंबर 2016 में नोटबंदी के बाद सबसे बड़ा झटका रियल एस्टेट बाजार को ही लगा था और मकानों की खरीद में बड़े पैमाने पर होने वाले नगदी के चलन पर अंकुश लगा था। इसका पहला असर यह देखने को मिला कि लंबे समय से रियल एस्टेट कारोबार में बनी कृत्रिम तेजी खत्म हो गई और मकानों के दाम तेजी से गिरने लगे। तब से इस क्षेत्र में मंदी जैसी हालत चल रही है। लेकिन अब खरीदारों को राहत मिलने से रियल एस्टेट बाजार तो उठेगा ही, सीमेंट, इस्पात जैसे क्षेत्रों में भी मांग निकलेगी, मकान के लिए बैंक कर्ज लेने वालों की भी मांग बढ़ेगी और अर्थव्यवस्था को इससे बल मिल सकता है। जब से जीएसटी लागू किया गया है तब से इसकी कर-दरों को आसान बनाने पर लगातार काम चल रहा है। कुछ महीने पहले कर की दरों में बड़ा बदलाव करते हुए ज्यादातर वस्तुओं को कम दर वाली श्रेणी में लाया गया था, लेकिन रियल एस्टेट क्षेत्र लंबे समय से ऐसी राहत की प्रतीक्षा कर रहा था। जीएसटी परिषद ने दिल्ली सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और सभी महानगरों में साठ वर्ग मीटर और छोटे शहरों में नब्बे वर्गमीटर कारपेट एरिया और पैंतालीस लाख रुपए तक की कीमत वाले ऐसे फ्लैटों पर जो निमार्णाधीन हैं, जीएसटी की दर घटा कर अब एक फीसद कर दी है। पहले यह आठ फीसद थी। अगर फ्लैट का क्षेत्रफल इससे ज्यादा होगा या कीमत ज्यादा होगी तो जीएसटी पांच फीसद लगेगा, जो अभी तक बारह फीसद देना पड़ता है। जाहिर है, खरीदारों के लिए यह बड़ी राहत है। इसका सीधा असर यह होगा कि सामान्य वर्ग के खरीदारों को घर अब दो से तीन लाख रुपए सस्ता पड़ेगा। जो लोग बीस से तीस लाख रुपए (किफायती वर्ग में) के बीच मकान खरीदना चाहेंगे उन्हें डेढ़ से दो लाख तक की बचत होगी। इसके अलावा खरीदार को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत दो लाख साठ हजार रुपए का अतिरिक्त अनुदान ब्याज के रूप में मिलेगा। इस रियायत का सबसे ज्यादा लाभ मध्यम वर्ग को मिलेगा। काम-धंधे की तलाश में छोटे शहरों और गांवों से लोग जिस तेजी से महानगरों की ओर पलायन कर रहे हैं, उससे बड़े शहरों में मकानों की मांग बढ़ी है। बड़े शहर में घर सबका सपना होता है। लेकिन अभी तक खरीदारों के सामने सबसे बड़ी मुश्किल यही थी कि मकान काफी महंगे थे। ज्यादातर बिल्डर तो नियम-कानूनों को मानते भी नहीं थे और मनमाने दामों पर ही मकान बेचते थे। लेकिन पिछले कुछ सालों में बिल्डरों पर शिकंजा कसा है और मनमानी कम हुई है।

काम-धंधे की तलाश में छोटे शहरों और गांवों से लोग जिस तेजी से महानगरों की ओर पलायन कर रहे हैं, उससे बड़े शहरों में मकानों की मांग बढ़ी है। बड़े शहर में घर सबका सपना होता है। लेकिन अभी तक खरीदारों के सामने सबसे बड़ी मुश्किल यही थी कि मकान काफी महंगे थे।

सिंधु जल समझौता तोड़ने का वक्त

पुलवामा आतंकी हमले के जवाब में सैन्य कार्रवाई के हमारे विकल्प सीमित दिखते हैं, क्योंकि पाकिस्तान के पास भी परमाणु अस्त्र हैं। कोई भी सैन्य कार्रवाई परमाणु युद्ध में बदल सकती है, जो दोनों देशों पर बहुत भारी पड़ेगी। पुलवामा के बाद भी पाकिस्तान द्वारा भारतीय सरहद के भीतर गोलाबारी जारी है। लगता है कि पाकिस्तान भारत की विवशता को समझ रहा है कि हम सैन्य कार्रवाई नहीं कर सकेंगे और हमारी इस मजबूरी का वह लाभ उठा रहा है। इस परिस्थिति से निपटने के लिए भारत सरकार ने आर्थिक मोचेबंदी करने की रणनीति अपनाई है। पाकिस्तान से आयात होने वाली सभी वस्तुओं पर 200 प्रतिशत का आयात कर लगा दिया है, जिसके कारण पाकिस्तान से कोई भी आयात संभव नहीं होगा, मगर पाकिस्तान द्वारा भारत को किए जाने वाले निर्यात उसके कुल निर्यातों का मात्र 1.4 प्रतिशत है। पाकिस्तान भारत को मुख्य रूप से सीमेंट, फलों का निर्यात करता है। ऐसा नहीं कि ये वस्तुएं केवल भारत को ही निर्यात होती हैं। ऐसे में पाकिस्तान इन्हें दूसरे देशों को निर्यात करने का रास्ता निकाल लेगा। हालांकि फलों को फौरी तौर पर दूसरे देशों में निर्यात करने में जरूर कुछ मुश्किलें आ सकती हैं। इससे किसानों को घरेलू मंडी में माल बेचना होगा, घरेलू बाजार में फल के दाम कम होंगे और घरेलू खपत बढ़ेगी। जैसे किसान का दूध बिकना कम हो जाए तो घर के बच्चों को दूध अधिक मिलता है। इसका पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा, परंतु संकट जैसी स्थिति पैदा नहीं होगी। इसलिए आयात कर की इस वृद्धि का पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर कोई विशेष प्रभाव पड़ने की संभावना कम ही है।

हालांकि पाकिस्तान की वित्तीय हालत पहले से ही खराब है, लेकिन इस कमजोर वित्तीय स्थिति से भी पाकिस्तान टूटेगा नहीं। चीन और सऊदी अरब ने पाकिस्तान को धन उपलब्ध करा दिया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष भी पाकिस्तान को धन उपलब्ध करने को तैयार है। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस हाल में भारत आए थे। उन्होंने आतंकवाद के विरोध में कुछ बातें जरूर कहीं, लेकिन पाकिस्तान का नाम नहीं लिया जो कि उनके पाकिस्तान के समर्थन को ही दशार्ता है। ऐसे हालात में हमें सिंधु जल समझौते को निरस्त करने पर विचार करना चाहिए। पाकिस्तान के पास कुल 1450 लाख एकड़ फुट नदी का पानी उपलब्ध है। 1 लाख एकड़ फुट का अर्थ हुआ एक एकड़ भूमि पर एक फुट जितना पानी उपलब्ध हो। इस 1450 लाख एकड़ फुट जल में 1160 लाख एकड़ फुट पानी सिंधु, झेलम और चिनाब नदियों से

पाकिस्तान को मिलता है, जो कि भारत से होकर ही बहती हैं। वर्षा के पानी को छोड़ दें तो नदियों से मिलने वाले पानी का अस्सी प्रतिशत पानी पाकिस्तान को भारत से मिलता है। यही पानी सर्दी और गर्मी में पाकिस्तान की कृषि, उद्योगों और शहरों के काम आता है। यदि हम इस पानी को रोक लें तो पाकिस्तान को जल्द ही घुटने टेकने पड़ सकते हैं, लेकिन ऐसा करने में भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ सिंधु जल समझौता आड़े आता है। हालांकि इसका भी रास्ता उपलब्ध है।

सिंधु जल समझौते की प्रस्तावना में लिखा गया है कि भारत और पाकिस्तान ने इस समझौते पर सद्भाव और मित्रता के आधार पर दस्तखत किए हैं। कानून के जानकारों के अनुसार किसी भी कानून को समझने के लिए उसकी प्रस्तावना को देखना पड़ता है कि उसका उद्देश्य क्या था? उद्देश्य के अनुसार ही कानून का विवेचन होता है। सिंधु जल समझौते को हमने सद्भाव एवं मित्रता बनाए रखने के लिए किया था। जब यह सद्भाव और मित्रता ही नहीं रही तो सिंधु जल समझौते का आधार ही खत्म हो जाता है। हमें इसे निरस्त करने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए। यह सही है कि समझौते में लिखा है कि इसमें कोई भी परिवर्तन आपसी समझौते से ही किया जाएगा, लेकिन जब समझौता ही रद हो जाए तो उसमें किए गए प्रावधानों का कोई मतलब नहीं रह जाता। जैसे भारत के स्वतंत्र होने पर ब्रिटिश राज्य द्वारा बनाए गए नियमों एवं कानूनों का कोई औचित्य नहीं रह गया।

मान लीजिए आपने किरायेदार से समझौता किया कि वह दीवार पर कुछ नहीं लिखेगा। इस समझौते का कोई वजूद नहीं रह जाता, यदि किरायेदार ने आपका घर ही खाली कर दिया। सिंधु जल समझौते में यह व्यवस्था भी है कि मतभेद होने पर विश्व बैंक की मध्यस्थता की जाएगी। ध्यान दें कि मध्यस्थता का अर्थ साथ में वार्ता करना मात्र होता है। विश्व बैंक न तो निर्णय दे सकता है, न ही कोई पक्ष विश्व बैंक की सलाह मानने को बाध्य है। फिर भी इस प्रावधान के तहत हम विश्व बैंक को नोटिस दे सकते हैं कि एक सप्ताह के भीतर यदि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद समाप्त नहीं हुआ तो हम इस समझौते को रद्द कर देंगे। इसके लिए हमें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से भी सीख लेनी चाहिए जिन्होंने मेक्सिको और कनाडा से हुए मुक्त व्यापार समझौतों को एक चुटकी में निरस्त कर दिया। इसी प्रकार हमें भी सिंधु जल समझौते को निरस्त करने पर विचार करना चाहिए।

एक और विषय यह है कि चंद जिहादी लोगों ने पूरी दुनिया को कैसे भयाक्रांत कर रखा है? फिर चाहे वह अमेरिका में वर्ल्ड ट्रेड टावर पर हुआ हवाई हमला हो या हाल का पुलवामा आतंकी हमला। उनकी ताकत दशार्ती है कि इस्लाम में जिहाद के आंतरिक और बाह्य पक्ष दोनों एक साथ चलते हैं। न्यू वर्ल्ड इनसाइक्लोपीडिया के अनुसार जिहाद के अंतर्गत मुसलमानों की जिम्मेदारी बनती है कि वे आध्यात्मिक विकास के लिए आंतरिक युद्ध और इस्लाम के प्रसार के लिए बाहरी युद्ध दोनों करें। ऐसा करने से जिहादी युवक के मानस में आंतरिक ऊर्जा और इस्लाम के विकास के लिए बाहरी कार्य का जुड़ाव हो जाता है। जब जिहादी लड़ाका आत्मघाती हमला करता है तो उसे विश्वास रहता है कि वह जन्नत में जाएगा और इस्लाम का विस्तार भी करेगा। इसलिए उन्हें इस प्रकार की घटनाओं को अंजाम देने में तनिक भी संकोच नहीं होता। इसके विपरीत हिंदू और बौद्ध धर्म में आंतरिक और बाहरी युद्धों को अलग-अलग किया गया है। हिंदू धर्म में निवृत्ति और प्रवृत्ति दो भिन्न मार्ग बताए गए हैं। बौद्ध धर्म में हीनयान और महायान दो अलग-अलग मार्ग बताए गए हैं। इस अलगाव का अर्थ यह हुआ कि जब हिंदू युवक बाहरी कार्य करता है तो उसके मानस का आंतरिक ऊर्जा से जुड़ना अनिवार्य नहीं होता। यदि हिंदू युवक पाकिस्तान में प्रवेश कर आतंकवादी बने तो उसे कोई आंतरिक लाभ नहीं मिलेगा। हमारे युवक अपेक्षा करते हैं कि आंतरिक ऊर्जा से लैस पाकिस्तानी युवकों का सामना भारतीय सेना करेगी, न कि वे स्वयं। हमें इस समस्या का हल निकालना होगा। हमें अपने वैचारिक दृष्टिकोण में बदलाव लाने का प्रयास करना चाहिए और निवृत्ति एवं प्रवृत्ति को जोड़कर एक साथ करना चाहिए, जिससे हम आतंकवाद का सामना कर सकें। हिंदू और बौद्ध धर्मों के सामने असल चुनौती इस्लाम की नहीं, बल्कि इस आंतरिक सुधार की है।

जीवन @ मंत्र

बालक को चिंतन की सही दिशा में बढ़ाना है तो माता-पिता को अपनी भूमिका में करना होगा सुधार

बचपन एक अनगढ़ धरातल है। उसे नहीं परवाह कि छलांग लगाने का परिणाम गिरना भी हो सकता है। शरारतों से भरपूर बचपन अपने ही प्रवाह में बहता चलता है। उसको कहां चिंता? विचारणीय है कि क्या माता-पिता उनके खेल को देखकर केवल समय बिताते हैं या कि बच्चे के लिए कुछ चिंतन भी करते हैं? वास्तव में बालपन का खेल और माता-पिता की जिम्मेदारी दोनों ही महत्वपूर्ण हैं। माता-पिता का परम कर्तव्य है कि बालक को एक कुम्हार की भांति अच्छे सधे हुए हाथों से, मन-मस्तिष्क के सुगठित विचारों से ऐसा गढ़ दे कि अंदर की छिपी-हुई प्रतिभा प्रकट हो सके। कारीगर जितना कुशल होगा मूर्ति उतनी ही साकार होगी। बच्चों के मन व उसके कौमार्य को द्वंद्व न परोसा जाए। मन में लोभ जागृत न किया जाए। परस्पर बैर-भाव का जन्म न होने दें। सद्भाव की परिभाषा से ही अवगत कराया जाए। प्रतिपल कुछ चाहने की इच्छा को समाप्त किया जाए। उसमें उत्पन्न जिज्ञासा का सही और निखरे हुए चिंतन से उत्तर दिया जाए। यदि यह कार्य स्वयं माता-पिता न कर सकें तो गुरुजनों की भूमिका शुरू कराई जाए। क्योंकि गुरुजन अनुभव के द्वारा एक छिपे हुए मानव को प्रकट करने की क्षमता रखते हैं। बालक प्रारंभ से ही जिज्ञासु व कर्मशील होता है। वह मस्तिष्क में जुगलबंदी का अहसास रखता है। ऐसे में जो लोग जिम्मेदार बनकर अपने मस्तिष्क का कूड़ा-कचरा बालक के मस्तिष्क में भरते हैं, उन्हें क्या कहा जाए? उन्हें कौन समझाए कि बालक का मस्तिष्क कूड़ेदान नहीं है। बालक को निर्द्वंद्व रहने दो। उसे जीने दो। आगे बढ़ने दो। उसमें कठोर परिश्रम के द्वारा निखार आने दो। आगे बाधा बनकर खड़े होने का प्रयास मत करो। वह व्यक्ति से लेकर राष्ट्र तक का निर्माणकारी है। उसको अवसर प्रदान करो कि वह जीवन की कठिनाई को उमंग के साथ जी सके। उसके समक्ष स्वयं नैतिकता की प्रतिमूर्ति बनना होगा क्योंकि बालक देखकर ही अपना आदर्श स्थापित करता है। यहां माता-पिता या अभिभावक ही प्रथम सीढ़ी है। जैसा बालक को बनाना है वैसा स्वयं बनना होगा। उसकी गुणात्मकता में वृद्धि की अपेक्षा है तो स्वयं गुणवान बनना होगा। उसको सामाजिक बुराइयों से बचाना है तो स्वयं नैतिकता निभानी होगी। जीवन अहसास है। करो भी और कराओ भी। यदि जीवन में अहसास नहीं तो जीवन में मानवीय सुखों की कल्पना करना ही छोड़ दें। गुरुजन अहसास करते हैं, चिंतन में अभिव्यक्ति की प्राथमिकता का ज्ञान कराते हैं, निरंतर जीवनशैली में गढना बना ही रहता है। माता-पिता की भूमिका कर्तव्यनिष्ठ शैली में सही ढंग से उतारना कठिन है। इसलिए अहसास के साथ जीवन जीने का अभ्यास होना चाहिए। बालक तो देखकर ही समझ जाएगा।

Nubia Alpha Smartwatch: मुड़ने वाली डिस्प्ले, एंड्रॉएड फोन की सभी खूबियां!

बार्सिलोना में मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस में पहली बार फोल्डेबल फोन लॉन्च किए गए हैं। यह दुनिया के पहले फोन हैं जो फोल्ड होने वाले हैं। Nubia ने भी अपना एक फोल्ड होने वाला स्मार्टफोन लॉन्च कर दिया है। Nubia Alpha दूसरे स्मार्टफोन से अलग है। दरअसल यह एक फोल्ड होने वाली स्मार्टवॉच है। इसमें OLED फ्लैक्सिबल डिस्प्ले दी गई है। यह स्मार्टवॉच कैमरा और ई सिम सपोर्ट करेगी। नूबिया अल्फा में ज्यादातर फीचर ऐसे होंगे जो कि एंड्रॉयड स्मार्टफोन में हैं। इस स्मार्टवॉच में स्नैपड्रेगन 2100Soc प्रोसेसर दिया गया है। इसके अलावा इसमें 1GB की रैम दी गई है। वहीं इसकी इंटरनल मैमोरी 8GB की है। यह एक कस्टम ओपरेटिंग सिस्टम पर काम करेगी। इसे पावर देने के लिए इसमें 500mAh की बैटरी दी गई है।

Nubia Alpha स्मार्टवॉच में 4 इंच की डिस्प्ले दी गई है। डिस्प्ले का रिजॉल्यूशन 960×192 पिक्सल का है। कंपना का दावा हा कि इसकी डिस्प्ले अभी मार्केट में मौजूद स्मार्टवॉच की डिस्प्ले से 230 फीसदी बड़ी है। इसकी स्ट्रिप ब्रासलेट जैसी है। इससे यूजर फोन कर सकते हैं। फोन सुन सकते हैं और फोटो खींच सकते हैं। इसके अलावा इसमें ऐप्स का भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

इस स्मार्टवॉच में हर्ट रेट के लिए भी सेंसर दिया गया है। अभी इसे केवल MWC में पेश किया गया। इसे अप्रैल से सेल के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। नूबिया अल्फा एक कस्टमाइज ओएस पर चलता है जो गेस्चर मोशन में मदद करता है। इसमें

5 मेगापिक्सल का कैमरा दिया गया है और इसमें गोल्ड और ब्लैक रंग विकल्पों में एक स्टेनलेस स्टील बैंड है। Nubia Alpha दो वेरिएंट में उपलब्ध होगा। इसमें एक ब्लूटूथ वर्जन होगा, जो फोन के साथ पेयर होगा। वहीं दूसरा वेरिएंट ई सिम का होगा। इसका ब्लैक ब्लूटूथ वेरिएंट अप्रैल से यूरोप और नॉर्थ अमेरिका में सेल के लिए उपलब्ध होगा। कीमत की बात करें तो इस वेरिएंट की कीमत 449 यूरो (करीब 36,200 रुपए) होगी। इसके अलावा इसके ई सिम वेरिएंट की बात करें तो यह अप्रैल से चीन में उपलब्ध होगा और इसकी कीमत 549 यूरो (करीब 44,300 रुपए) होगी। यह कीमत ब्लैक कलर वेरिएंट की होगी। वहीं इसके 18K गोल्ड वेरिएंट की कीमत 649 यूरो (करीब 52,400 रुपए) होगी।

कहीं नारी तो कहीं बाल रूप में दुनियाभर में प्रसिद्ध हैं भगवान हनुमान के मंदिर

देशभर में बल-बुद्धि के देवता हनुमान के कई प्राचीन मंदिर मौजूद है। अलग-अलग मान्यताओं के कारण ये मंदिर बेहद प्रसिद्ध भी हैं। इस खबर के जरिए हम आपको कुछ ऐसे ही मंदिरों के बारे में बता रहे हैं, जो न सिर्फ भारत में बल्कि पूरे विश्व में विख्यात है। हिंदू मान्यता के अनुसार हनुमान जी माता अंजनी और वानर राज केसरी के पुत्र है, जिनका जन्म चैत्र शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को माना जाता है।

बड़े हनुमान जी: इलाहाबाद स्थित संगम बांध के ठीक नीचे हनुमान की एक विशाल मूर्ति है। यह अपने आप में इसलिए अनोखी है क्योंकि इसमें हनुमान जी को लेटे हुए विश्राम की स्थिति में दिखाया गया है। मान्यता है कि हर साल बारिश में गंगा का जल किनारों को पार करते हुए मंदिर में आता है और हनुमान जी के चरणों को स्पर्श करता है।

हनुमान गढ़ी, अयोध्या: हनुमान जी को समर्पित इस मंदिर को हनुमान जी का घर भी कहा जाता है। यह मंदिर आयोध्या में एक टीले पर स्थित है। इस मंदिर में हनुमान जी अपनी मां अंजनी की गोद में लेटे हैं। लोगों का मानना है कि इस मंदिर में सभी मन्नतें पूरी होती है।

सालासार बालाजी: राजस्थान के चूरू जिले के सालासर गांव में हनुमान जी का एक प्रसिद्ध मंदिर है, जिसे भक्त सालासर वाले बालाजी के नाम से जाना जाता है। हनुमानजी की यह प्रतिमा दाढ़ी-मूंछ से सुशोभित है। बताया जाता है कि, हनुमान जी की यह प्रतिमा एक किसान को खेत जोतते समय मिली थी। इस प्रतिमा को सोने के सिंहासन पर स्थापित किया गया है।

संकटमोचन मंदिर, वाराणसी: लोगों का मानना है कि, हनुमान जी के इस मंदिर का निर्माण गोस्वामी तुलसीदास जी ने कराया था। कहते हैं तुलसीदास जी ने रामचरित मानस का कुछ अंश संकटमोचन मंदिर के पास विशाल पीपल के पेड़ के नीचे बैठकर लिखा था।

गिरिजाबांध हनुमान मंदिर, रतनपुर: बिलासपुर के रतनपुर स्थित गिरिजाबंध का हनुमान मंदिर दस हजार साल पुराना है। इस मंदिर में हनुमान के नारी रूप की पूजा होती है। स्थानीय लोगों का मानना है कि, जो भी भक्त सच्च मन से यहां उनकी पूजा करता है उसकी मनोकामना पूरी होती है।

चंद्रकेश्वर मंदिर

चंद्रकेश्वर मंदिर इंदौर से 65 किमी दूर इंदौर-बैतूल राष्ट्रीय राजमार्ग से लगा हुआ है। मंदिर के चारों तरफ सतपुड़ा की पहाड़ियां और घना जंगल है। प्राकृतिक वातावरण में बने इस मंदिर में हमेशा भक्तों की भीड़ रहती है।बताते है कि मंदिर में स्थापित शिवलिंग 2-3 हजार साल पुराना है।

ऑस्कर अवॉर्ड्स में दो अरब का नेकलेस पहन कर पहुंची लेडी गागा

हाल ही में 91 वें अकेडमी अवॉर्ड्स ऑस्कर का आगाज हुआ है। ऑस्कर अवॉर्ड्स में इस बार कई लोगों ने अवॉर्ड जीता है। इस बार यह अवॉर्ड को पहली बार मशहूर सिंगर लेडी गागा ने जीता है। लेडी गागा ने लेडी गागा का ये पहला ऑस्कर है। लेडी गागा ने म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'ए स्टार इज बार्न' में गाए उनके पॉपुलर सॉन्ग Shallow को बेस्ट ओरिजनल सॉन्ग कैटेगरी में अवॉर्ड जीता। लेडी गागा इस अवॉर्ड को पाकर बेहद खुश नजर आईं। वहीं रेड कार्पेट पर भी गागा ने अपनी अदाओं के जलवे बिखेरे। गागा ने ऑस्कर के लिए खास फेमस डिज़ाइनर अलेक्जेंडर मैकक्वीन के ब्लैक गाउन को पहना। इस गाउन में गागा गजब दिख रही थी।

गागा ने लुक में हेयर हाई बन बनाया। तो वहीं उन्होंने हाथों में हाफ हैंड ग्लबस पहने। इसके अलावा उन्होंने गले में डायमंड नेकलेस पहना और कानों में इयरिंग्स के साथ अपने लुक को कंप्लीट किया।

लेकिन गागा ने जो डायमंड नेकलेस पहना था , उसकी कीमत अगर आप जानेंगे तो चौंक जाएंगे। 128.54 कैरट के गागा के इस डायमंड नेकलेस की कीमत करीब $वर30 मिलियन यानी 2 अरब रुपए बताई जा रही है।

बिल्कुल सही सुना आपने। करीब 2 अरब रुपए का गागा ने ये नेकलेक पहना था। गागा के इस नेकलेस को टिफनी एंड कंपनी ने बनाया था। रिपोर्ट के मुताबिक, यह किसी रेड कारपेट ऑउटफिट के लिए डिज़ाइन की गई अब तक की सबसे बड़ी ज्वैलरी है।

इससे पहले ऐसा किसी भी स्टार ने नहीं किया है। खैर अब इसमें कोई दो राय नहीं है कि लेडी गागा हैं, तो फिर उनसे जुड़ी चीजें भी बेहद आलीशान ही होंगी। गागा के इस नेकलेस की चर्चा सोशल मीडिया पर भी जमकर

संस्कारी 'गोपी बहू' ने की बोल्डनेस की हदें पार

टीवी सीरियल्स में सीधी साधी दिखने वाली ये बहुएं अक्सर अपने हॉट अंदाज से लोगों को चौंका देती है। इसी लिस्ट में नाम आता है गोपी बहू का। जी हां, अक्सर संस्कारी सलवार सूट या साड़ी में दिखाई देने वाली गोपी बहू एक बार फिर से खबरों में आ गई है। हम बात कर रहे है गोपी बहू का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस देवोलीना भट्टाचार्य की। हमेशा ही अपनी सादगी और भोलेपन से सबका दिल जीतने वाली देवोलीना घर घर में फेमस हैं।

देवोलीना को लोग उनके नाम से कम बल्कि गोपी बहू के नाम से ज्यादा जानते है। लेकिन अब ये गोपी बहू बिल्कुल ग्लैमर्स हो गई हैं ।ऑन स्क्रीन आपने इनको साड़ी या सूट में देखा होगा लेकिन ऑफ स्क्रीन इनका जलवा देखते ही बनता है। हाल ही में देवोलीना ने सोशल मीडिया पर कुछ पिक्चर्स शेयर की है। इन पिक्चर्स में वो हॉट अंदाज में नजर आ रही है। सोशल मीडिया पर देवोलीना की इन पिक्चर्स ने आग लगा दी है।

पूजा भट्ट ने वियतनाम में मनाया अपना 47वां बर्थडे, देखें तस्वीरें

90 के दशक की खूबसूरत बॉलीवुड एक्ट्रेस पूजा भट्ट ने 24 फरवरी को अपना 47वां जन्मदिन मनाया हैं। पूजा भट्ट ने अपना बर्थडे वियतनाम में मनाया। पूजा ने अपने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर करके दी हैं। जन्मदिन को खास मनाने के लिए पूजा इन दिनों वियतनाम में छुट्टियां मना रही हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर कई फोटो शेयर की है। एक तस्वीर में पूजा पूल में धूप लेती नजर आ रही हैं। तस्वीर के कैप्शन पूजा ने लिखा कि हेड आया तो मैं जीती और टेल आया तो तुम हारे। तस्वीर में पूजा के पीछे एक बड़ी सी मछली भी बनी नजर आ रही है। बॉलीवुड के मशहूर डायरेक्टर महेश बट्ट की बेटी हैं। बॉलीवुड में पूजा भट्ट ने फिल्म दिल है कि मानता नहीं' और 'सड़क' जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया हैं।

पूजा की खूबसूरती को देखकर कोई नहीं कह सकता की वह आज 47 साल की हैं। फिल्मी पर्दे से कई साल दूर रहवने के बाद एक बार फिर पूजा भट्ट 19 साल बाद वापसी करने जा रही हैं। साल 1991 में बनी फिल्म सड़क का रीमेक बनने जा रहा है और इसे बना रहे हैं निर्देशक महेश भट्ट। पूजा कई बार मैग्जींस के कवर्स पर नजर आती रही हैं इतना ही नहीं पूजा का न्यूड बॉडी पेंट की कवर फोटो से काफी चर्चित रही थी। पूजा भट्ट ने अपना एक्टिंग डेब्यु 1989 में फिल्म 'डैडी' से किया था। साल 2004 में फिल्म 'पाप' के साथ पूजा ने डायरेक्शन की दुनिया में डेब्यु किया। पूजा अपने पापा महेश के साथ नजदीकी को लेकर वे कई बार विवादों में आयीं। उस समय वे एक मैग्जीन के कवर पर अपने पापा को किस करती नजर आयी थीं।

सपना चौधरी के खूबसूरत अंदाज पर फिदा

हरियाणवी डांसर सपना चौधरी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। सपना की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती है। हरियाणवी डांसर सपना चौधरी का कातिलाना अंदाज एक बार फिर इंटरनेट पर धूम मचा रहा है। अपने खूबसूरत अंदाज के लिए फेमस सपना चौधरी पहले से ज्यादा सेक्सी और हॉट हो गई है। उनकी लेटेस्ट खूबसूरत फोटो पर आए दिन उनके फैन्स कमेंट्स करते हुए उन्हें हॉट और सेक्सी बुलाते हैं। एक बार फिर उनका कातिलाना अंदाज देख फैन्स उनकी तारीफ करते नही थक रहे हैं। ब्लैक शरारा में हरियाणवी डांसर सिगर सपना चौधरी का कातिलाना अंदाज आपको भी उनका दीवाना बना देगा। चेतक, तेरी आख्या का यो काजल, तू चीज लाजवाब, छोरी बिदास, बदली बदली लागे जैसे गानों से धूम मचा चुकी सपना चौधरी का स्टाइल और फैशन अब सोशल मीडिया पर हिट हो गया है। शॉर्ट ड्रेस हो या फिर ठेठ देसी अंदाज, सपना चौधरी के दीवानें उनकी हर अदा पर फिदा हो चुके हैं। ये गाना सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। साथ ही इस वीडियो को हजारो लोगों ने लाइक किया है।

साथ में कमेंट भी किया है। फैंस को ये गाना खूब पसंद आ रहा है। हरियाणा के रोहतक गांव से निकली सपना चौधरी ने मुंबई शहर में अपनी पहचान बना ली है और बिग बॉस 11 के बाद से उनकी फैन फॉलोइंग में भी काफी इजाफा हो चुका है।

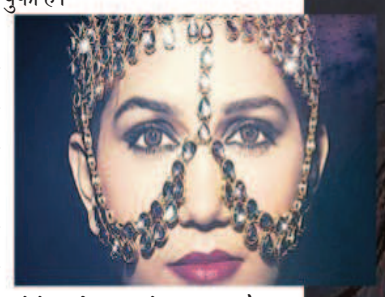

बॉलीवुड, पंजाबी, भोजपुरी से लेकर रिजनल भाषाओं की फिल्मों में अपने आइटम डांस नंबर से सपना चौधरी ने बाकी एक्ट्रेसेस को भी पीछे कर दिया है। सोशल मीडिया पर एक्टिव सपना चौधरी डांस नंबर के साथ ही कई अलबम में भी अपने देसी लटके झटकों का कमाल दिखा रही है।

गुजरात समुद्री तट आज हाईअलर्ट पर है

आतंकवादियों को खत्म करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : रुपाणी

हमारे जवानों ने पाक. के आतंकवादियों के अड्डों को ध्वस्त कर दिया गया, पूरा देश आज सेना के साथ खड़ा

गांधीनगर। देश के हमारे वायु सेना के जवानों ने आज सुबह में पाकिस्तान की सीमा में घुसकर पाकिस्तान प्रेरित आतंकवादियों के अड्डों पर हमला करके ध्वस्त कर दिया गया है। यह पराक्रम के लिए पूरे देश को सेना पर गर्व है और आज पूरा देश सेना के साथ खड़ा है। पाकिस्तान को हरएक क्षेत्र में हराने के लिए पूरा देश आज एकजुट हो गया है और यह घटना को ध्यान में रखकर गुजरात के समुद्री तट हाईअलर्ट पर है यह मुख्यमंत्री ने आज कालावड में एपीएमसी भूमिपूजन समारोह में बताया था। कालावड में मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने उपस्थित विशाल संख्या में किसानों को खुशी का समाचार देते हुए कहा कि, गुज रात के किसानों के लिए बीमा कंपनी ने २६०० करोड़ रुपये की फसल बीमा रकम मंजूर किया गया है और यह फसल बीमा रकम किसानों के खाते में मार्च-महीने के अंत तक में उनके खाते में जमा हो जाए इसके लिए राज्य सरकार सक्रियता के साथ कदम उठा रही है। कालावड स्थित भूमिपूजन तथा लोकार्पण के समारोह में मुख्यमंत्री ने प्रेरक संबोधन में बताया है कि हमारी सरकार किसानों की सरकार है। हमारी सरकार गांव की सरकार है। पहले १९९५-९६ तक में कृषि उत्पादन सिर्फ १३,९४८ करोड़ रुपये का था जबकि आज इसमें १२ गुना वृद्धि करके यह उत्पादन १,६८,४३२ करोड़ रुपये का हुआ है जिसका मतलब काफी स्पष्ट है सरकार की प्रोत्साहक नीति गुजरात के किसानों की मेहनत आज भारत की मार्केट पर हावी होकर बैठा है कालावड में मुख्यमंत्री ने आगे बताया है कि, मूंगफली के उत्पादन में ३९.३६ लाख टन के साथ गुज रात नंबर-१ पर है। इसी तरीके से कपास के उत्पादन में १०१ लाख गासडी में गुजरात नंबर १ है। दूध के उत्पादन में १३५ लाख करके भी गुजरात राज्य नंबर १ पर है। इस तरह राज्य सरकार द्वारा सही अर्थ में गांवों की और किसानों से ओतप्रोत है। कालावड के समारोह में मुख्यमंत्री ने बताया कि, राज्य सरकार ने पिछले तीन वर्ष में ८५०० करोड़ रुपये की मूंगफली की खरीदी की है और इस वर्ष में भी २२०० करोड़ से ज्यादा रकम की मूंगफली खरीदी करके यह सरकार सही अर्थ में किसानों के हित से ओतप्रोत है यह किसान अब महसूस कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कालावड के समारोह में बताया कि, पहले की कांग्रेस सरकार वर्षों तक किसानों को गुमराह करती थी जिसकी वजह से किसानों और खेती की दुर्दशा हुई अब केन्द्र सरकार और राज्य सरकार सभी का साथ सभी का विकास के मंत्र के साथ आगे बढ़ रही है और सभी का विकास हो इसके लिए संवेदनशीलन बनकर दृढ़ता के साथ आगे बढ़ रही है। सौराष्ट्र-कच्छ की जनता को सूखा की बात हमेशा भूतकाल बनी रहे इसके लिए सौनी योजना में दृढ़ता के साथ आगे बढ़ रही है सौराष्ट्र के ११५ बांध नर्मदा के पानी से भर दिया जाएगा और गुजरात की जलसंग्रह शक्ति बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने सुजलाम सुफलाम जल संरक्षण अभियान को शुरू किया है यह मुख्यमंत्री ने आगे बताया है। मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने आज जामनगर जिले कालावड में लोकार्पण और भूमिपूजन विधि का उद्घाटन समारोह में डीजिटल शक्ति से अनावरण किया गया जिसमें मुख्यमंत्री ने कालावड में निर्माणधीन होने वाला आधुनिक मार्केटिंग यार्ड की भूमिपूजन ६९.९१ करोड़ रुपये के खर्च से तैयार होने वाले आधुनिक औद्योगिक आवास का लोकार्पण १६४ लाख रुपये के खर्च से (पूर्व) और कालावड (पश्चिम) की नवनिर्मित पीज ीवीसीएल की उपविभागीय कचहरी का हुआ लोकार्पण भी शामिल है।

ओले की स्थिति को लेकर किसान चिंता में डूब गये

मौसम में बदलाव : सौराष्ट्र कच्छ सहित के क्षेत्रों में ओले

ओले की वजह से जीरा, वरियाली सहित के फसलों को नुकसान होने की दहशत : कल ठंड बढ़ने की संभावना

अहमदाबाद। राजस्थान में पैदा हुए एपर एयर साइक्लोनिक सकर्युलेशन सिस्टम पैदा होने से राज्य के मौसम में अचानक बदलाव आया है। सौराष्ट्र-कच्छ सहित क्षेत्रों में बारिश का माहौल रहा है। मोरबी में मेघगर्जना के साथ बारिश हुई। ठंड के बाद अचानक ओले का माहौल पैदा होने से किसानों की फसल नष्ट हो जाने की चिंता परेशान कर रही है। मंगलवार को दोपहर से अहमदाबाद शहर सहित राज्य के मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिला। राजकोट के मोरबी मालिया के बीच भारी तूफ्रान के बीच मेघगर्जना के साथ बारिश हुई। यदि बारिश आयेगी तो ज ीरा के फसल को बड़े प्रमाण में नुकसान होने की संभावना है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, राजस्थान में पैदा हुए एपर एयर साइक्लोनिक सकर्युलेशन सिस्टम पैदा होने से राज्य का मौसम बदल गया है। जबकि कल ठंड में वृद्धि होने की संभावना है। गुजरात सहित राज्यभर में मौसम बदलने की असर देखने को मिली। अधिकतर क्षेत्रों में बादलछाया मौसम रहा। मोरबी में मेघगज ना के साथ बारिश हुई। ठंड के बाद अचानक ओले का माहौल पैदा होने से किसानों की फसल नष्ट हो जाने की चिंता परेशान कर रही है। मंगलवार को दोपहर से अहमदाबाद शहर सहित राज्य के मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिला। राजकोट के मोरबी मालिया के बीच भारी तूफान के बीच मेघगर्जना के साथ बारिश हुई। अहमदाबाद में आकाश बादलछाया मौसम देखने को मिला। राज्य का मौसम बदलने से सौराष्ट्र-कच्छ और उत्तर गुजरात के कई क्षेत्रों में आंधी और हवा के साथ बारिश हुई है। अहमदाबाद में हवा के साथ आंधी चल रही थी। भारी हवा और आंधी की वजह से लो विजिबीलिटी देखने को मिली। साबरकांठा, बनासकांठा, पाटण, मेहसाणा, गांधीनगर सहित के क्षेत्रों में बारिश होने का समाचार है। कच्छ, अरवल्ली और साबरकांठा के मौसम में बदलाव दर्ज किया गया। मंगलवार को पूरे उत्तर गुज रात में अचानक ही बादलछाया मौसम होने की वजह से किसान चिंतित हो गये। यदि ओले ज्यादा हुए तो जीरा, वरियाली, आलू सहित के फसलों को नुकसान होने की दहशत किसानों को परेशान कर रही है। उत्तर गुजरात में ठंड के माहौल बाद दो दिन से गर्मी का प्रमाण बढ़ गया, हालांकि मंगलवार को सुबह से ही आकाश में बादल छाया रहने से मौसम में ठंडक फैल गई थी।

बुजुर्ग महिला की हत्या बाद गहने की लूट की

अहमदाबाद। शहर में जीवन गुजार रहे बुजुर्ग लोगों के लिए सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं हो इस तरह और एक बुजुर्ग महिला की उनके घर में हत्या करके लूट लेने से सनसनी मच गई। शहर के राणिप क्षेत्र में अकेले रहते बुजुर्ग महिला की लाश उनके घर से मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई। लुटेरों द्वारा बुजुर्ग महिला का गला दबाकर हत्या करने के बाद सोना-चांदी के गहने लूटकर फरार हो गये। राणिप पुलिस ने फिलहाल हत्या और लूट का अपराध दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। हालांकि, इस घटना की वजह से पूरे क्षेत्र में विशेष करके स्थानीय निवासियों में सनसनी मच गई। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, राणिप क्षेत्र में स्थित जीएसटी फाटक के निकट सुंदरवन के झोपड़ी में रहते गीगाजी बावरी ने राणिप पुलिस में लूट और हत्या की शिकायत की है उनकी पड़ोस में लक्ष्मीबहन बावरी (उम्र.६५) रहती है। लक्ष्मीबहन के पति का पांच वर्ष पहले निधन हो गया था और उनको कोई संतान नहीं होने से वह अकेलापन जीवन व्यतीत कर रहे थे और गीगाजी को लक्ष्मीबहन खाने का हररोज देती थी।

अहमदाबाद ६०८ सेलिब्रेशन के तहत माणेक बुर्ज में ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

चुनाव आयोग द्वारा नागरिकों के लिए एक नई पहल

चुनाव में आचारसंहिता भंग की शिकायत एप से हो सकेगी

यह एप से चुनाव में अनियमितता और आचारसंहिता भंग की प्रवृत्ति रोकने में मदद मिलेगी : रिपोर्ट में दावा

अहमदाबाद। आगामी लोकसभा चुनाव में चुनाव आयोग द्वारा गुजरात में पहली बार आचारसंहिता की शिकायत के लिए एप का उपयोग किया जाएगा। चुनाव आयोग द्वारा नागरिकों की शिकायतों का समाधान १०० मिनट में हो ऐसी व्यवस्था की गई है। यह एप द्वारा नागरिक आचारसंहिता भंग की सीधी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। यह मोबाइल एप से चुनाव में अनियमितता और आचारसंहिता भंग की प्रवृत्ति रोकने में मदद मिलेगी। चुनाव के दौरान मतदान केन्द्र के बगल में या मतदान के दिन कोई भी गैरकानूनी कामकाज की एप में शिकायत बाद जीपीएस की मदद से चुनाव विभाग शिकायतकर्ता का लोकेशन

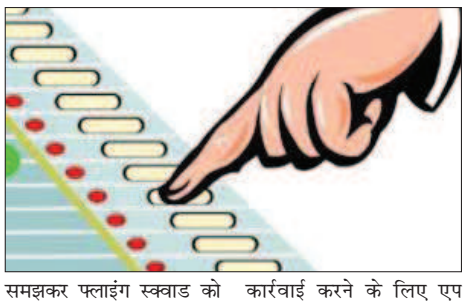

समझकर फ्लाइंग स्क्वाड को सीधा घटनास्थल पर भेजेंगे इस तरह आचारसंहिता भंग के केस में तुरंत कार्रवाई करने के लिए चुनाव आयोग ने तैयारी कर ली है। कुछ ही दिनों में आयोजित होनेवाली लोकसभा चुनाव के लिए प्रशासन द्वारा तैयारियां चल रही है तब चुनाव प्रशासन ने भी लोकसभा चुनाव में आचारसंहिता भंग की घटनाओं के विरूद्ध तुरंत कार्रवाई करने के लिए एप उपयोग में लेने का निर्णय किया गया है। यह एप में ज ीपीएस सिस्टम भी कार्यरत होगी। कोई भी नागरिक इस एप के माध्यम से चुनाव के समय आचारसंहिता का भंग होता हो तो शिकायत दर्ज करा सकते हैं। यह शिकायत के आधार पर चुनाव प्रशासन सीधा अलर्ट हो जाएगा। पहली बार एप के द्वारा कंट्रोल रुम को जानकारी मिलेगी। इस मामले में फ्लाइंग स्क्वाड को शिकायतकर्ता का लोकेशन सहित की जानकारियां दी जाएंगी। बाद में फ्लाइंग स्क्वाड तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर जरूरी कार्रवाई करेगी। पहले यह एप का उपयोग राजस्थान और मध्यप्रदेश के चुनाव में भी किया गया है। अब लोकसभा चुनाव यह एप उपयोग में लिया जाएगा। सीवीआईजीआईएल नाम की यह एप का उपयोग किस तरीके से करना यह मामले की तालीम पूरे राज्य में आयोजित की जाएगी। हाल में मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मोनिटरिंग कमेटी बनाई गई है और चुनाव का ऐलान होने के बाद तुरंत ही यह कमेटी कार्यरत हो जाएगी।

सड़क की ट्राफिक की स्थिति काफी समाधान होगा

इन्कमटैक्स फ्लायओवर पूरा होने के करीब : रिपोर्ट

ब्रिज का निर्माणकार्य ९१% जितना पूरा हो जाने से फीनिशिंग के काम चल रहे है : मार्च में खुला रखने की संभावना

अहमदाबाद,२६ फरवरी।

अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा शहर के आश्रमरोड पर के ट्राफिकजाम की समस्या के समाधान लाने के लिए अंजली फ्लाय ओवरब्रिज और इन्कमटैक्स फ्लाय ओवरब्रिज के निर्माण के दो महत्व के प्रॉजेक्ट शुरू किए गए। जिसमें से इन्कमटैक्स फ्लाय ओवरब्रिज का निर्माण पूरा होने के करीब होने से आगामी ३१ मार्च के पहले यह लोकार्पण के लिए तैयार हो जाएगा। पहले इन्कमटैक्स सर्कल में वर्षों से स्थित महात्मा गांधीजी की प्रतिमा को लेकर भारी विवाद हो गया। महात्मा गांधीजी की प्रतिमा का स्थल कई आंदोलन का गवाह रहा है। शहरभर में इन्कमटैक्स सर्कल की बापू की प्रतिमा लोकप्रिय है। हालांकि प्रशासन के गत २४ जून २०१६ से लागू किए गए इन्कमटैक्स सर्कल पर फ्लाय ओवरब्रिज के निर्माण के प्रॉजेक्ट से गांधीजी की प्रतिमा के स्थानानांतर का विषय भी अक्सर चर्चा होने से यह मामले में शासकों ने कुछ हद तक मौन रखा। इन्कमटैक्स सर्कल फ्लाय ओवरब्रिज की डिजाइन गांधीजी की प्रतिमा को नुकसान नहीं पहुंचे ऐसी तैयारी की गई थी। करीब ५५ करोड़ रुपये के खर्च से निर्माणधीन यह ब्रिज को ऐसे तो गत २३ ज ून, २०१८ को पूरा करना था। लेकिन गांधीजी की प्रतिमा के स्थानानांतर का विवाद तथा ब्रिज के लिए बड़ी संख्या में काटे गये कई पेड़ आदि की वजह से यह प्रॉजेक्ट इसके निर्धारित समय सीमा से करीब नौ महीने की देरी में है। अब यह फ्लाय ओवरब्रिज को आगामी ३१ मार्च पहले पूरा करना था। राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी की प्रतिमा का वाडज में स्थानानांतर करने का आयोजन किया जा रहा है। प्रशासन द्वारा इन्कमटैक्स फ्लाय ओवरब्रिज को ८१० मीटर लंबी बनाई जा रही है। यह ब्रिज पर कुल १९.५० मीटर चौड़ाई के दो लेन बनाये गये है। हरएक लेन की चौड़ाई ९.७२५ मीटर रखी गई है। फिलहाल के समय में ब्रिज का निर्माणकार्य ९१ फीसदी जितना पूरा हो जाने की वजह से फीनिशिंग के काम चल रहे है।

समुद्र के किनारे पर हाई अलर्ट, राउंड द क्लॉक पेट्रोलिंग

अहमदाबाद। पाकिस्तान पर भारतीय वायु सेना की सफल सर्जिकल स्ट्राइक और हवाई हमले के बाद अब सौराष्ट्र सहित गुजरात के १६०० किलोमीटर के समुद्र किनारे पर हाई अलर्ट जारी किया गया है। सैकड़ों निर्जन टापू और दूरदराज तटों पर पुलिस की कड़ी नजर है। समुद्र किनारे पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाकर राउंड द क्लॉक पेट्रोलिंग शुरू किया गया है। स्थानीय पुलिस ने किसी भी संदिग्ध चीजवस्तु या व्यक्ति दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को जानकारी देने की सूचना दी गई है। विशेष करके द्वारका और जामनगर किनारे को लेकर जामनगर में विमानों को भी स्टेन्ड टू रखे जाने की बात सामने आ रही है। युद्ध उपयोगी विमानों जामनगर एयरफोर्स के पास होने से किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के लिए कहा गया है। सौराष्ट्र के समुद्री किनारे पर स्थित प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ और रिलायंस रिफाइनजरी पर आतंकवादियों की नजर होने का सामने आया है।

भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान में घुसकर हमला करने के बाद चारों तरफ उत्सव मनाया गया। शहर के अलग-अलग क्षेत्र में पटाखे फोड़कर उत्सव मनाया गया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)